

अध्याय - 9 | यशपाल

QUIZ-02

1. लेखक ने 'मामूली लोगों की हिंकारत' किस संदर्भ में कही?

- A. नवाब साहब का सेकंड क्लास में सफ़र करना
- B. नवाब साहब को खीरे जैसी साधारण वस्तु का शौक करते देखना
- C. नवाब साहब का दरबारी ठाट दिखाना
- D. लेखक का खीरा न खाना (B)

व्याख्या: लेखक ने यह बात नवाब साहब के खीरे जैसी साधारण वस्तु में शौक दिखाने के संदर्भ में कही।

2. नवाब साहब ने खीरे खाने की तैयारी कैसे की?

- A. खीरे धोए, छीलकर सजाए और नमक-मिर्च छिड़की
- B. सीधे काटकर खा लिए
- C. केवल छीलकर रख दिए
- D. लेखक को पहले पेश किए (A)

व्याख्या: नवाब साहब ने पहले खीरे धोए, फिर सावधानी से काट-छीलकर सजाया और नमक-मिर्च छिड़ककर खाने की तैयारी की।

3. नवाब साहब ने खीरे काटकर झाग क्यों निकाला?

- A. कड़वाहट दूर करने के लिए
- B. उन्हें सजाने के लिए
- C. लेखक को खिलाने के लिए
- D. उन्हें सुखाने के लिए (A)

व्याख्या: झाग निकालने का उद्देश्य खीरे की कड़वाहट दूर करना था।

4. खीरे काटने के बाद नवाब साहब ने क्या किया?

- A. उन्हें खिड़की से बाहर फेंक दिया
- B. उन्हें प्लेट पर सजाया
- C. उन्हें तुरंत खा लिया
- D. लेखक को दे दिया (B)

व्याख्या: नवाब साहब ने खीरे काटकर सावधानी से प्लेट पर सजाया।

5. गद्यांश में प्रयुक्त 'एहतियात' का अर्थ क्या है?

- A. असावधानी
- B. सावधानीपूर्वक
- C. गंभीरता से
- D. लापरवाही से (B)

व्याख्या: 'एहतियात' शब्द का अर्थ है सावधानीपूर्वक।

6. गद्यांश के लेखक कौन हैं?

- A. स्वयं प्रकाश
- B. मननु भंडारी
- C. यशपाल
- D. रामवृक्ष बेनीपुरी (C)

व्याख्या: 'लखनवी अंदाज़' रचना के लेखक यशपाल हैं।

7. नवाब साहब ने खीरे पर क्या छिड़का?

- A. नींबू और काली मिर्च
- B. जीरा-नमक और लाल मिर्च
- C. धनिया और हरी मिर्च
- D. सिरका और चाट मसाला (B)

व्याख्या: नवाब साहब ने खीरे पर जीरा-नमक और पिसी लाल मिर्च छिड़की।

8. नवाब साहब के चेहरे की कौन-सी भंगिमा उनके खीरे खाने के शौक को प्रकट करती थी?

- A. आँखें बंद करना
- B. होंठ काटना
- C. जबड़ों का फड़कना
- D. ठोड़ी हिलाना (C)

व्याख्या: जबड़ों के फड़कने से स्पष्ट था कि वे खीरे के स्वाद में डूबे हुए हैं।

9. नवाब साहब ने खीरे की फांक मुँह तक ले जाकर क्या किया?

- A. तुरंत खा लिया
- B. उसे सूँघा और स्वाद का आनंद लिया
- C. लेखक को थमा दिया
- D. खिड़की से बाहर फेंक दिया (B)

व्याख्या: उन्होंने खीरे की फांक को मुँह तक ले जाकर सूँघा और स्वाद का आनंद लिया।

10. इस प्रसंग से क्या शिक्षा मिलती है?

- A. दिखावे से दूर रहना चाहिए
- B. खाने-पीने की वस्तुओं को अनदेखा करना चाहिए
- C. हर परिस्थिति में यथार्थ का सामना करना चाहिए
- D. दूसरों की हिंकारत करनी चाहिए (C)

व्याख्या: इस प्रसंग का उद्देश्य यही है कि इंसान को हर परिस्थिति में यथार्थ का सामना करना चाहिए।